

हिन्दी / HINDI
प्रश्न-पत्र I / Paper I
(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे

Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : 250

Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

कुल आठ प्रश्न हैं, जो दो खण्डों में विभाजित हैं ।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं ।

प्रश्न सं. 1 और 5 अनिवार्य हैं और शेष में से तीन प्रश्नों का उत्तर दिया जाना है, जिनमें प्रत्येक खण्ड में से कम-से-कम एक प्रश्न होना चाहिए ।

प्रत्येक प्रश्न / भाग के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।

जिन प्रश्नों के संबंध में अधिकतम शब्द संख्या निर्धारित है, वहाँ इसका अनुपालन किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तर की गणना संख्यात्मक क्रम में की जाएगी । यदि किसी प्रश्न को काटा नहीं गया, तो उस प्रश्न को गिन लिया जाएगा भले ही उसका उत्तर आंशिक तौर पर क्यों न लिखा गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका का कोई भी पृष्ठ अथवा पृष्ठ का भाग, जो खाली छोड़ा गया हो, उसे स्पष्ट रूप से काट दिया जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

- Q1.** निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **10×5=50**
- | | |
|--|----|
| (a) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ | 10 |
| (b) हिन्दी भाषा का मानक स्वरूप | 10 |
| (c) पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ | 10 |
| (d) रहीम की काव्य भाषा और उसकी विशेषताएँ | 10 |
| (e) संत साहित्य में अवधी का योगदान | 10 |
- Q2.**
- | | |
|---|----|
| (a) विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के प्रयोग की स्थिति का आकलन कीजिए । | 20 |
| (b) आरंभिक हिन्दी के विकास में अपभ्रंश की भूमिका को स्पष्ट कीजिए । | 15 |
| (c) हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने में नागरी प्रचारिणी सभा, काशी और दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, चेन्नई (मद्रास) की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए । | 15 |
- Q3.**
- | | |
|--|----|
| (a) पारिभाषिक शब्दावली से आप क्या समझते हैं ? हिन्दी में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के इतिहास का उदाहरण सहित मूल्यांकन कीजिए । | 20 |
| (b) खड़ी बोली हिन्दी के साथ उसकी प्रमुख बोलियों के अन्तःसंबंध पर प्रकाश डालिए । | 15 |
| (c) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की राष्ट्रीय चेतना की मुखर अभिव्यक्ति हिन्दी साहित्य में हुई है – सोदाहरण समीक्षा कीजिए । | 15 |
- Q4.**
- | | |
|--|----|
| (a) राजभाषा के रूप में हिन्दी को सर्वस्वीकार्य बनाने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए ? सविस्तार उल्लेख कीजिए । | 20 |
| (b) दक्खिनी हिन्दी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । | 15 |
| (c) मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना के स्वरूप पर चर्चा कीजिए । | 15 |

SECTION B

- Q5.** निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : **10×5=50**
- (a) सिद्ध-नाथ साहित्य का भाषिक तथा साहित्यिक अवदान 10
 - (b) कृष्णभक्ति काव्य धारा के विकास में विविध संप्रदायों का योगदान 10
 - (c) रीतिमुक्त कवियों की प्रणय चेतना 10
 - (d) भारतेन्दु ने अपने नाटकों में संस्कृत की चरित्र-चित्रण पद्धति का अनुसरण किया है – सोदाहरण समझाइए। 10
 - (e) प्रेमचन्द की कहानियों का मूल स्तर 10
- Q6.**
- (a) विद्यापति की कविताओं में व्यक्त भक्ति के स्वरूप का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 20
 - (b) भारतीय साहित्य की उपेक्षित नारी को अपना अधिकार दिलाकर मैथिलीशरण गुप्त ने नारी विमर्श को एक नवीन दिशा दी है – कैसे ? समझाकर लिखिए। 15
 - (c) गोस्वामी तुलसीदास रामराज्य के माध्यम से कल्याणकारी-राज्य का आदर्श उपस्थित करते हैं – मूल्यांकन कीजिए। 15
- Q7.**
- (a) हिन्दी साहित्य की आलोचना परंपरा मूलतः आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की मान्यताओं का ही खंडन-मंडन है – युक्तियुक्त विवेचन कीजिए। 20
 - (b) जयशंकर प्रसाद के नाटकों की ऐतिहासिकता पर विचार कीजिए। 15
 - (c) हिन्दी क्षेत्र की लोकनाट्य पद्धतियों का परिचय देते हुए हिन्दी रंगमंच की विकास यात्रा का मूल्यांकन कीजिए। 15
- Q8.**
- (a) हिन्दी साहित्य में रेखाचित्र के इतिहास का परिचय देते हुए महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 20
 - (b) जैनेन्द्र कुमार का गद्य-लेखन व्यक्ति की गुम होती पहचान को उभारकर सामने रखता है – विवेचन कीजिए। 15
 - (c) मोहन राकेश के ऐतिहासिक नाटकों की मंच-सज्जा का विवेचन कीजिए। 15